Citizens Foundation
Making People Self Reliant
25 Years of Sustainability

गोलकीपर्स
समाचार पत्रिका

संस्करण-47 सितम्बर - 2025

इस संस्करण में

01
संपूर्ण ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सगाली (अरुणाचल प्रदेश) में नवीनीकृत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का हस्तांतरण

02
हैलाकांडी, असम में सतत मत्स्य पालन के माध्यम से आजीविका सुदृढ़ीकरण

संदेश

पिछले एक वर्ष से, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन की टीम कर्रा ब्लॉक में चुपचाप लोगों के जीवन को बदल रही है। चार आंगनवाड़ी केंद्रों में नई जान फूँकने से लेकर ग्रामीण कल्याण को विकास के केंद्र में रखने वाली पहलों को आगे बढ़ाने तक, उनका कार्य स्थानीय समुदायों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को धीरे-धीरे नया आकार दे रहा है।

श्रीमती स्मिता नागेसिया
बी.डी.ओ, कर्रा, खूंटी, झारखंड

सचिव की कलम से

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन की ओर से शुभकामनाएँ!

सितंबर का स्वागत करते हुए, इस न्यूज़लेटर में हम आपके लिए लेकर आए हैं समुदाय सशक्तिकरण की प्रेरक कहानियाँ—स्वतंत्रता दिवस के उत्सव से लेकर स्वास्थ्य, कृषि और आजीविका में प्रभावशाली पहलों तक। पढ़ें और जानें कि हमारी सामूहिक कोशिशें कैसे विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक बदलाव ला रही हैं।

आपका निरंतर समर्थन हमारे मिशन को आगे बढ़ाता है। हम सामूहिक प्रयास से मजबूत और सक्षम समुदाय बना रहे हैं। आइए, उम्मीद जगाते रहें और सकारात्मक बदलाव को आगे बढ़ाते रहें।

गणेश रेड्डी
संस्थापक एवं सीईओ, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन / सचिव, (यूएन जीसीएनआई)

79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव : सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने अपने मुख्य कार्यालय और विभिन्न परियोजना स्थलों पर 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज का वितरण परियोजना क्षेत्रों, विद्यालयों और सामुदायिक स्थलों पर किया गया, जिसमें परिवारों, बच्चों और स्थानीय निवासियों सभी ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, देशभक्ति गीत और सामुदायिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसने पूरे वातावरण को उल्लासपूर्ण और देशभक्ति से सराबोर बना दिया। लाभार्थियों, बच्चों और स्थानीय समुदायों ने एक साथ मिलकर उत्सव में भाग लिया, जिससे एकता और राष्ट्रीय भावना और अधिक सुदृढ़ हुई।

यह आयोजन स्वतंत्रता सेनानियों के अमूल्य बलिदानों को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सतत आजीविका के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने के प्रति सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के मजबूत संकल्प को भी दोहराता है।

संपूर्ण ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सगाली (अरुणाचल प्रदेश) में नवीनीकृत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का हस्तांतरण

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन द्वारा समर्थित और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन द्वारा लागू किया गया संपूर्ण ग्रामीण विकास कार्यक्रम (HRDP) के अंतर्गत निमटे और बालापू में नवीनीकृत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का औपचारिक रूप से समुदाय को हस्तांतरण किया गया।

नवीनीकरण कार्य का मुख्य उद्देश्य आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना और सेवाओं की उपलब्धता को बेहतर बनाना रहा। प्रमुख सुधारों में पूरी तरह से नवीनीकृत परामर्श कक्ष और प्रतीक्षा क्षेत्र, सुगम्यता सुविधाएँ, तथा उन्नत स्वच्छता और जल प्रणाली शामिल हैं। इन सुधारों से मरीजों के लिए सुविधाजनक वातावरण तैयार हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं की समग्र कार्यकुशलता बढ़ी है।

हस्तांतरण समारोह में डॉ. टोकर न्योडू (मेडिकल ऑफ़िसर, सगाली), हाबुंग उंका और मैरी ताजुम (हेल्थ एवं वेलनेस ऑफ़िसर), साथ ही समुदाय के वरिष्ठजन, गॉव बुराह और आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने ग्रामीण समुदायों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुँच सुनिश्चित करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो समावेशी और समग्र ग्रामीण विकास की परिकल्पना को और सशक्त बनाता है।

बाढ़ से सुरक्षित कृषि-फार्म पहल, बरपेटा, असम

एकीकृत ग्राम विकास कार्यक्रम (IVDP) के अंतर्गत, एलटीआईमाइंडट्री के सहयोग और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के क्रियान्वयन से असम के बरपेटा ज़िले में एक बाढ़ से सुरक्षित कृषि-फार्म की स्थापना की गई है। यह पहल उन क्षेत्रों में टिकाऊ खेती का मॉडल प्रस्तुत करती है, जो हर वर्ष लगभग पाँच महीने तक बाढ़ग्रस्त रहते हैं।

अब किसान लौकी, खीरा, करेला और चिचिंडा जैसी सब्ज़ियों की खेती ऊँचे बांस के चांग्स पर कर रहे हैं, जिससे फसलें बाढ़ के पानी से ऊपर सुरक्षित रहती हैं। इस नवाचारी पद्धति से छोटे और हाशिये पर रहने वाले किसानों को स्थिर आय सुनिश्चित हो रही है, साथ ही यह जलवायु-सहिष्णु कृषि का एक व्यावहारिक उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

यह पहल पहले से ही स्थानीय ग्रामीणों और आगंतुकों को इस पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। दीर्घकाल में, यह खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने, आजीविका में आने वाले व्यवधानों को कम करने और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों जैसे बरपेटा में जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलापन विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मधुबन नंदघर, बोकारो में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम

ईएसएल स्टील लिमिटेड की आरोग्य परियोजना के अंतर्गत, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से मधुबन नंदघर, बोकारो में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्रामीण महिलाओं और स्कूली बालिकाओं सहित कुल 46 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिससे यह कार्यक्रम सार्थक और प्रभावी बना। प्रतिभागियों ने "आज जागरूकता, कल सुरक्षा" की थीम के अंतर्गत जागरूकता फैलाने का संकल्प भी लिया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य स्तन कैंसर के लक्षणों, शुरुआती चरण में गांठ पहचानने हेतु स्व-परीक्षण की तकनीक, संभावित कारण, बचाव के उपाय और उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में जानकारी देना था। खुली चर्चाओं और सहभागितापूर्ण सीखने के माध्यम से इस पहल ने समय पर पहचान और सक्रिय स्वास्थ्य व्यवहारों की महत्ता को रेखांकित किया, जो स्तन कैंसर के ख़तरों को कम करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

हैलाकांडी, असम में सतत मत्स्य पालन के माध्यम से आजीविका सुदृढ़ीकरण

एलआईसी हाउसिंग फ़ाइनेंस लिमिटेड के सहयोग से सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन द्वारा क्रियान्वित हृदय परियोजना (HRIDAY Project) के अंतर्गत, हैलकांडी, असम के सात हस्तक्षेप गांवों की मछुआरा समुदाय के लिए आजीविका संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 70 मछुआरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसका उद्देश्य मछुआरों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और सतत मत्स्य पालन प्रथाओं को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक लाभार्थी को मछली पकड़ने के जाल और ड्रम प्रदान किए गए, जो उनकी उत्पादकता बढ़ाने और पारंपरिक आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक उपकरण हैं।

यह पहल दर्शाती है कि परियोजना कमजोर समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने और सतत आजीविका अवसरों के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। संसाधनों की उपलब्धता और क्षमता निर्माण के माध्यम से, यह परियोजना मछुआरों और उनके परिवारों के लिए लंबे समय तक आर्थिक स्थिरता और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसबीआई संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन द्वारा क्रियान्वित: देवघर के जनार्दन यादव के लिए नई उम्मीद

अवलोकन:

जनार्दन यादव, झारखंड के जगमनिया देविपुर गांव के 45 वर्षीय पैरा-टीचर, हमेशा अपने छात्रों और उनकी शिक्षा के प्रति समर्पित रहे। लेकिन उनका जीवन उस समय कठिन मोड़ पर आ गया जब उन्हें गंभीर गले का संक्रमण हो गया। इस संक्रमण ने उन्हें न केवल पढ़ाने में असमर्थ बना दिया, बल्कि लगातार शारीरिक पीड़ा से भी जूझना पड़ा। इसी अहम समय पर, एसबीआई फाउंडेशन द्वारा सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से संचालित स्वास्थ्य सेवा पहुँच कार्यक्रम उनके लिए जीवनदायिनी साबित हुआ। जनार्दन को विशेषज्ञ उपचार और नियमित देखभाल मिली, जिसने उनकी सेहत को बहाल किया और उन्हें दोबारा अपने विद्यार्थियों को पढ़ाने में सक्षम बनाया।

चुनौतियाँ:

संक्रमण के कारण जनार्दन को लगातार नाक बहना, बार-बार छींक आना और सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण बने रहते थे, जो दवाइयाँ छूटते ही और भी बढ़ जाते थे। इलाज की उम्मीद में उन्होंने देवघर के कई अस्पताल देखे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि इस स्थिति में आजीवन दवा लेनी पड़ेगी। निर्देशानुसार इलाज को ईमानदारी से अपनाने के बावजूद उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। यह लंबा संघर्ष न केवल उन्हें मानसिक रूप से परेशान करता रहा, बल्कि उनकी कार्यक्षमता को भी कमज़ोर करता गया और परिवार की आजीविका को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा कर दी।

प्रभाव:

आख़िरकार राहत तब मिली जब एसबीआई फाउंडेशन की एम्बुलेंस, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से, उनके गांव पहुँची। चिकित्सा टीम ने उनके गले और नाक की समस्याओं के लिए विशेषज्ञ उपचार प्रदान किया और उनके स्वास्थ्य सुधार पर नज़र रखने के लिए नियमित अनुवर्ती दौरों को सुनिश्चित किया। लगातार देखभाल और उचित मार्गदर्शन से जनार्दन की सेहत धीरे-धीरे बेहतर हुई, और वे फिर से अपने पढ़ाने की जिम्मेदारियों को निभाने सक्षम हो गए।आज जनार्दन पूरी तरह स्वस्थ हैं और अपने परिवार का समर्थन करने के साथ-साथ अपने छात्रों की शिक्षा में भी योगदान दे रहे हैं। समय पर मिली इस मदद के लिए आभारी, जनार्दन और उनके परिवार ने एसबीआई फाउंडेशन और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन की भूमिका को जीवन बदलने वाली बताते हुए उनके स्वास्थ्य और आशा को बहाल करने में उनके योगदान को स्वीकार किया।

GOALKEEPERS, MONTHLY NEWSLETTER
(For Internal Circulation Only)
CITIZENS FOUNDATION
Content: Knowledge Management Team
Editor: Priya Barla & Kajal Kumari

Follow us @